



# बाबूलाल मरांडी को कमान देकर कई निशाने साथ लिये भाजपा ने

2019 के चुनाव में भाजपा से छिटके आदिवासी नेताओं को फिर से जोड़ने का प्रयास किया है पार्टी आलाकमान ने

झारखण्ड के पहले मुख्यमंत्री और पांचवीं विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी को झारखण्ड भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का यह फैसला सही मायने में कई निशानों को एक साथ साधने जैसा है। 2019 के चुनाव के बाद झारखण्ड के आदिवासी निःसंत रह भाजपा से दूर ठिकने लगे थे, उससे पार्टी को 2024 की चिंता सताने लगी थी, लैकिन अब बाबूलाल मरांडी के बल पर भाजपा अपना पुराना जनावर हासिल करने की दिशा में तेजी से बढ़ेगी। वैसे भी बाबूलाल

मरांडी के बारे में कहा जाता है कि वह कर्म पर भरोसा करते हैं और संघर्ष से कठीन नहीं घबड़ते हैं। उनकी गिनती झारखण्ड के उन जिन्हें नेताओं में होती है, जिनके दिलों-दिमाग में हमेशा झारखण्ड और यहां के लोग रहते हैं। अपने राजनीतिक कैरियर में दृश्यमान नहीं है, यह सबसे खास बात है। भाजपा के कदावर आदिवासी तमाम उत्तर-चाहाव झेलने के बावजूद उनका संघर्ष का माद्दा आज भी नेता के रूप में पहले से ही स्थापित बाबूलाल मरांडी की बात आज भी गौर

से सुनी जाती है, राज्य के पहले मुख्यमंत्री के रूप में उनके कामों की आज भी गिसाल दी जाती है। भाजपा ने ऐसे चेहरे को कमान साँप कर सावित कर दिया है कि वह बहुत दूर का सोचती है। हालांकि झारखण्ड भाजपा के भीतर के हालात को देखते हुए कहा जा सकता है कि बाबूलाल मरांडी के सिर पर कांटों भरा तज रखा गया है, लैकिन उमीद की जानी चाहिए कि वह इस चुनौती से पार पा लेंगे। बाबूलाल मरांडी को झारखण्ड भाजपा की कमान सौंपे जाने के राजनीतिक असर का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगठनाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

आदिवासी निःसंत जिस तेजी से भाजपा से छिटके कर दूर जा रहे थे, पार्टी 2024 को लैकिन बेहद संशक्ति थी। बाबूलाल मरांडी को कमान सौंपने के बाद जो सबसे बड़ा और पहला अंतर आया है, वह वह कि अब भाजपा कम से कम खुद को प्रतिदंगियों से आगे नहीं, तो कम से कम उनके बावर तो मान ही सकती है।

**अलग किस्म की राजनीति की**  
बाबूलाल मरांडी ने हमेशा अलग किस्म की राजनीति की है। चाहे कोडरमा के अप्रक्रम मजदूरों का मामला हो या वासंथाल के विश्वायितों का, गिरिराज में उग्रवाद का मुद्दा हो या धनबाद में अपराध था, इसका पता इसी बात से चलता है कि घोषणा के कुछ ही घंटे बाद इस पर सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गयी। झारखण्ड के खिलाफ उन्होंने 'टॉर्चलाइट अभियान' चलाया, जिसने भाजपा ने पिछले कुछ दिनों से नक्सलियों को बुरी तरह नाराज कर संगठनात्मक बदलाव की चर्चा चल रही थी और बाबूलाल मरांडी का नाम चलते और अंतिम स्थान पर था। असल में 2019 के बाद से इसकी जावान बेटा खोना पड़ा। हमेशा राजनीति के केंद्र में रहे बाबूलाल मरांडी के व्यक्तित्व को इसी बात से समझा जा सकता है।

बाबूलाल मरांडी अंदोलन के लिए पहली कठतर में रहे। उग्रवाद के खिलाफ उन्होंने 'टॉर्चलाइट अभियान' चलाया, जिसने भाजपा ने पिछले कुछ दिनों से नक्सलियों को बुरी तरह नाराज कर दिया। अभियान के तहत बाबूलाल मरांडी ने उग्रवाद प्रभावित गांवों में कानूनी अधिकारी बांटना शुरू किया था। इसकी नीति यह है कि वह किसी फैसले पर पहुंचने से पहले खबर विचार-विमर्श करते हैं, लोगों के सुझाव सुनते हैं और तब फैसले पर पहुंचते हैं। एक बार फैसला लेने के बाद पीछे नहीं हटते। राजनीति के मैदान में ऐसा कम देखने को मिलता है। बाबूलाल मरांडी सोच-समझ कर अपनी रणनीति बनाते हैं। उनके पास झारखण्ड के विकास का एक विजय है, और फिर उस पर अमल करते हैं।

संगठन  
और प्रशासन,  
दोनों का व्यापक  
अनुभव है मरांडी  
के पास



विचारों में यही बारीकी और स्पष्टता उन्हें प्रदेश के दूसरे नेताओं से अलग करती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के निष्ठावान स्वयंसेवक और प्रचारक के रूप में कैरियर शुरू करनेवाले बाबूलाल मरांडी को जीवन कई इंशावातों से गुजरा है।

शिवू सोरेन से हारे पहला चुनाव

1991 में मरांडी ने भाजपा के टिकट पर दुमका लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। मरांडी ने कोडरमा सीट से भाजपा की सदस्यता से भी पार्टी के दस्तावेजों में चाही बाली, जिसमें भाजपा के पांच विधायक पार्टी छोड़ शामिल हो गये। इसके बाद कोडरमा में उपचुनाव में वह निर्विरोध चुन लिये गये। कोडरमा सीट से 2009 का लोकसभा चुनाव जीत कर वह एक बार पिछ संसद में पहुंच गये।

**लगातार हार भी नहीं तोड़ सकी हौसला**

अपनी अलग पार्टी बनाने के बाद बाबूलाल मरांडी को लगातार चुनावी हार का समान करना पड़ा। 2014 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के आठ विधायक उन्हें प्रतिवाद अध्यक्ष बना रहे। पार्टी ने उनके नेतृत्व में झारखण्ड क्षेत्र की 14 लोकसभा सीटों में से 12 पर कब्जा कर लिया। उस चुनाव में उन्होंने शिवू सोरेन को दुमका से हराकर चुनाव जीता था। इसके बाद अटल विहारी वाजपेयी की सरकार में उन्हें बन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री बनाया गया। 15 नवंबर, 2000 को अलग झारखण्ड राज्य बनने के बाद एनडीए के नेतृत्व में बाबूलाल मरांडी ने राज्य की पहली सरकार बनायी और करीब 18

हमेशा संघर्ष के रस्ते पर आगे बढ़ते रहे। **भाजपा में वापरी** करीब 14 साल तक अलग समर्पण की आज भी गिसाल दी जाती है। भाजपा ने ऐसे चेहरे को कमान साँप कर सावित कर दिया है कि वह बहुत दूर का सोचती है। हालांकि झारखण्ड भाजपा के भीतर के हालात को देखते हुए कहा जा सकता है कि बाबूलाल मरांडी के सिर पर कांटों भरा तज रखा गया है, लैकिन उमीद की जानी चाहिए कि वह इस चुनौती से पार पा लेंगे। बाबूलाल मरांडी को झारखण्ड भाजपा की कमान सौंपे जाने के राजनीतिक असर का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगठनाता राकेश सिंह।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वावधान में माननीय मुख्यमंत्री के कर कमलों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ



मुख्य अतिथि  
**श्री हेमन्त सोरेन**

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

**श्री बन्ना गुप्ता**

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

सम्मानित अतिथि

**श्री संजय सेठ**

माननीय सांसद, लोकसभा क्षेत्र, रांची

**श्री राजेश कच्छप**

माननीय विधायक, खिजरी विधानसभा क्षेत्र

**कार्यक्रम**

206 एम्बुलेंस का लोकार्पण एवं 38 नव नियुक्त दन्त विकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरण

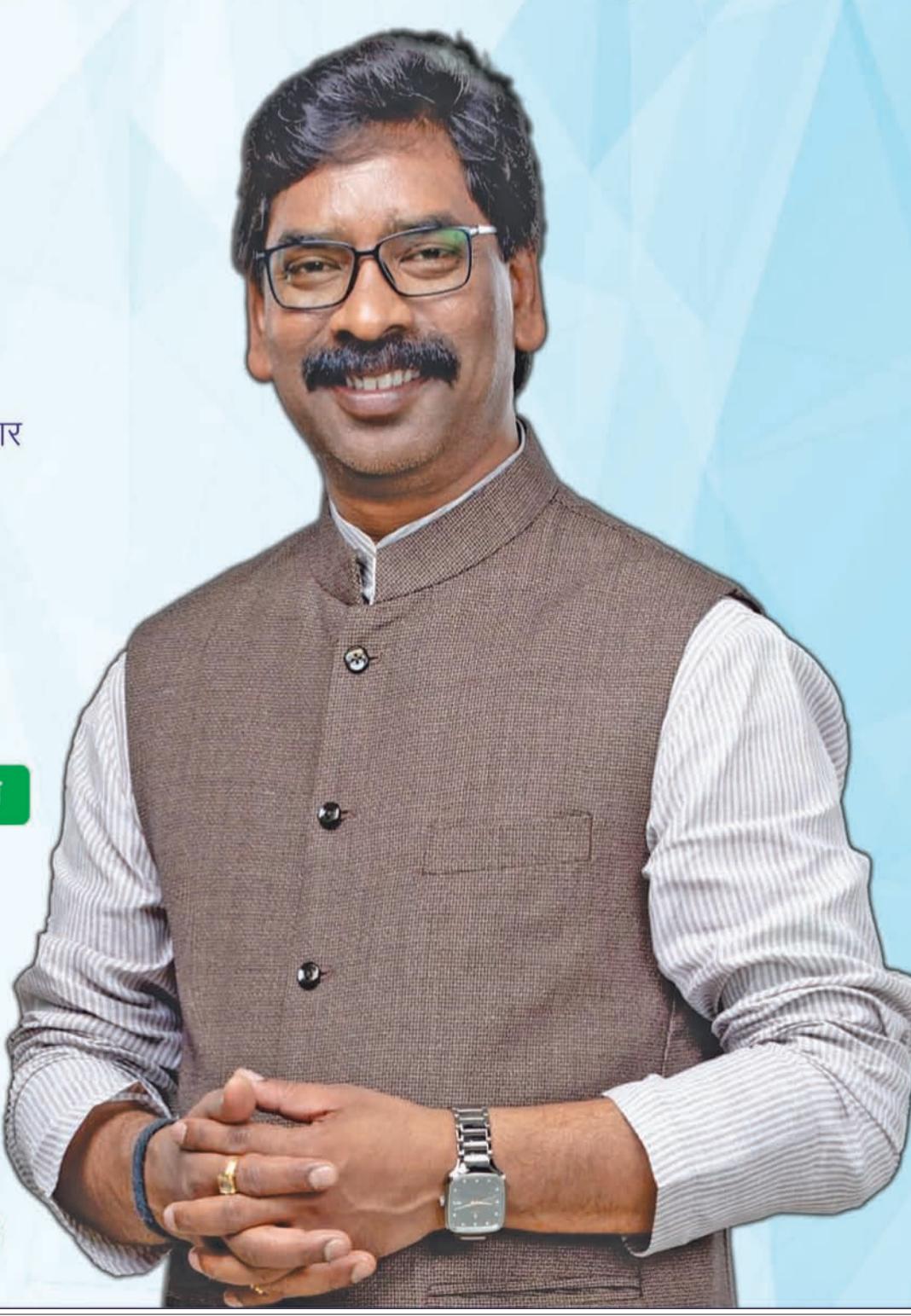
सहित

- रिजनल ब्लड ट्रान्सफरेशन सेंटर, नागरमल मोदी सेवा सदन का उद्घाटन।
- ब्लड स्टोरेज केन्द्रों का उद्घाटन।
- 5 MMU के संचालन एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में Smile Foundation के साथ MOU.
- ममता वाहन एप, आयुष्मान एप तथा मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना एप का लोकार्पण।
- उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता चिकित्सकों एवं अस्पताल का सम्मान।

दिनांक : 05 जुलाई 2023 | स्थान : आई.पी.एच. प्रेक्षणगृह, नामकुम, रांची | समय : अपराह्न 01 बजे से



स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग





ପାତ୍ର କାନ୍ଦିଲା  
ପାତ୍ର କାନ୍ଦିଲା

को भारतीय जनता पार्टी, सारथपट्टु के

# କୁଣ୍ଡଳୀ ବିହାର

ਭਾਤਾਧੇ ਜਾਨੇ ਪਾਰ

卷之三



# 卷之三

**प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा झारखंड**





# श्री बाबूलाल मरांडी जी

को

भाजपा झारखंड के

## प्रदेश अध्यक्ष

बनाये जाने पर  
हार्दिक बधाई एवं  
थुभकामनाएं



## सन्जी टोप्पी

युवा भाजपा नेता  
रांची, झारखंड





# संपादकीय

## शरद पवार की पार्टी में फूट

अ जित पवार की अपनी पार्टी एनसीपी और चाचा शरद पवार से की गयी दूसरी बगावत चार साल पहले वाली बगावत के मुकाबले ज्यादा मजबूत और टिकाऊ लगती है। जहां पिछली बार सुबह हुए शपथ ग्रहण के कुछ घंटे बाद से ही हातात बदलने शुरू हो गये थे, वहीं इस बार ऐसे कोई आसार नहीं दिख रहे। पिछली बार अजित पवार ने अकेले शपथ ली थी, लेकिन इस बार उनके साथ पार्टी के तामाम दिग्गज नेताओं ने शपथ ली। वह अलग बात है कि इनमें से ज्यादातर के खिलाफ बीजेपी की ही तरफ से भ्रष्टाचार के गंभीर अरोप लगाये जा रहे थे। कठोरों के खिलाफ जांच एजेंसियों में मामले भी चैंडिंग हैं। ऐसे देखना होगा कि जांच एजेंसियां नेताओं के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में आगे क्या करती हैं। बहरहाल, दलवाल भले ही महाराष्ट्र में हुआ हो, इसकी सबसे बड़ी चोट राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकत्र पर पड़ी है। शरद पवार विपक्ष के सबसे कदाकर नेताओं में हैं और विपक्षी एकत्र के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके पैरों के नीचे से उनकी लगभग पूरी पार्टी को खींच कर बीजेपी ने वह संदेश दिया है कि विपक्षी नेता जो भी दावे करें, उनकी पार्टी ही उनके काबू में नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश है, जिसे काउंटर करना भी विपक्षी दलों के लिए जरूरी है। शरद वहीं वजह है कि विपक्षी पार्टीयों की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक टलने की चर्चा शुरू होते ही कांग्रेस ने वह स्पष्ट कर दिया कि बैठक बेंगलुरु में हो जाएगी।

सगल यह खड़ा हुआ है कि विपक्षी नेताओं के साथ-साथ पार्टी का बोट बेसी भी टूट रहे थे नेताओं ने चला गया है। शिवसेना के शिंदे और उद्धव गुट अब भी इस पर परस्पर विरोधी दावे कर रहे हैं।

शिवसेना के शिंदे और उद्धव गुट अब भी इस पर परस्पर विरोधी दावे कर रहे हैं।

ही 17 और 18 जुलाई को होंगी। कांग्रेस नेताओं ने वह बताना भी जरूरी समझा कि महाराष्ट्र में हुई घटानों का विपक्षी दलों के एकत्र के प्रयासों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। मार पार्टी में सेंध लगने के बाद इन दलों के समने सबसे बड़ी चुनौती अपने बोट बेस को बनाये रखने की है। सबाल यह खड़ा हुआ है कि विपक्षी नेताओं के साथ-साथ पार्टी का बोट बेस भी टूट रहे थे में चला गया है। शिवसेना के शिंदे और उद्धव गुट अब भी इस पर परस्पर विरोधी दावे कर रहे हैं। वहीं वजह है कि शरद पवार ने एलान किया कि वह इस मामले में कोर्ट नहीं, सीधे जनता के बीच जाने वाले हैं। उन्हें पता है कि विधायकों को भी बाधे रखने का काम जनदबाव से ही हो सकता। इस लिहाज से अनेक वाला वक्त महत्वपूर्ण है। अबर शरद पवार जनता का इतना तगड़ा समर्थन जुटा लेने हैं कि पार्टी के ज्यादातर विधायक उनके साथ रहने का फैसला करते हैं, तो लाड़ी का पहला दौर उनके नाम हो जायेगा। ऐसा नहीं होता है, तो भी फैसला अंत में शुरू हो गये। लिहाज एकत्र की प्रक्रिया को बाधित होने देने का रिक्त विपक्षी पार्टीयों नहीं ले सकती।

### अभिमत आजाद सिपाही

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, सामुदायिक भवन और स्कूल भी शामिल हैं, जला दिये गये हैं। उपद्रवियों की भीड़ जैसे नेताओं के क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में अधिकारी और क्रूरता के रूप में देखना होता है। इन दंगों के बाद नेताओं के क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस पुलिस का एक क्रूर दंग है। इस दंग के बाद नेताओं के क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

## नफरत से निकली आग में जलता फ्रांस

### सुशीर राघव

फ्रांस के खोजी पत्रकार वैलेटीन मेंट्रोट ने पुलिस ट्रेनिंग ली और पैरिस के सबसे गरीब तथा पिछड़े जिलों में, जहां बहुसंख्यक आबादी अफ्रीकी और मिडल ईस्ट के प्रवासियों की है, 6 महीने तक अंडर कवर पुलिस अधिकारी के रूप में नैनात रहे। इस दौरान उन्होंने पुलिस का एक क्रूर चेहरा देखा। अपने अनुभव पर उन्होंने किताब लिखी फिलक (कॉप)। इस किताब के जरिए दुनिया ने जाना कि नस्लभेद और क्रूरता के साथ पुलिस की संस्कृति बन गये हैं। वर्ष 2020 में छप का आयी इस किताब पर खूब हंगामा हुआ। सरकार ने पुलिस की कार्यपालियों पर जांच लैठायी। पुलिस सुधारों की बात जर-शोर से उठी मगर विपक्षी पार्टी के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके पैरों के नीचे से उनकी लगभग पूरी पार्टी को खींच कर बीजेपी ने वह संदेश दिया है कि विपक्षी नेता जो भी दावे करें, उनकी पार्टी ही उनके

काबू में नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश है, जिसे काउंटर करना भी जरूरी है। शयद वहीं वजह है कि विपक्षी दलों के लिए जरूरी है। शयद वहीं वजह है कि विपक्षी पार्टीयों की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक टलने की चर्चा शुरू होते ही कांग्रेस ने वह स्पष्ट कर दिया कि बैठक बेंगलुरु में हो जाएगी।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज भी बड़ा सवाल है।

दुनिया को क्रांति का पाठ पढ़ाने वाला फ्रांस आज दंगों की आग में जल रहा है। बाजार लूटे जा रहे हैं। सरकारी इमारतें, पुलिस की कार्यालयों में कोई सुधार हुआ? यह आज







सर्व दंश से किशोरी  
की मौत, परिजनों का  
रो-रो कर बुरा हाल

विश्रामपुर(पलामू)। रेलवा थाना क्षेत्र के लूटीखुरी-लकड़ी गांव के एक किशोरी की मौत मंगलवार की सुबह सर्व दंश से हो गयी। जानकरी के अनुसार रेलवा थाना क्षेत्र के लूटीखुरी-लकड़ी गांव की 14 वर्षीय पुरी पियंका कुमारी गाय के बछड़े को चारा हतु बांधने घर से कुछ ही दूरी पर खेत में गयी थीं। तभी अचानक एक विश्वेले सर्प ने उसे काट लिया। परिजन ने इसे इलाज देते विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जा रखे थे। लेकिन किशोरी ने रसरे में ही दम तोड़ दिया। डरवार मीठ की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही अंजित कुमार, विजू राम, मुन्ना राम, शंभू राम, विश्वामीथा राम सहित कई ग्रामीणों ने किशोरी के दाद संस्कर में काफी सहयोग किया।

# सुजीत सिन्हा गैंग का रिक्की खान रांची से गिरफ्तार

## एनएच 98 साइड पर करायी थी फायरिंग

आजाद सिपाही संचादाता



मेंदीनगर। एनएच 98 कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालय की साइट पर फायरिंग करने वाले कुछता सुजीत सिन्हा गैंग के जीशन शेख उर्फ रिक्की खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रिक्की खान को पलामू पुलिस ने रांची के कांके चौक से गिरफ्तार किया है। वह यही का रखने वाला है। मालूम हो कि यह 28 जून को पिपारा थाना क्षेत्र के चरवार में नेशनल हाईवे 98 की कंस्ट्रक्शन कंपनी शिवालय के साइट पर बाइक सवार तीन अपराधियों ने फायरिंग की थी। फायरिंग की घटना में ठेंकेदार शिवजी दास के पैर में गोली लगी थी।

राहा था, जिसमें फिरोती के लिए रकम न देने पर खुन खराबा करने की बात कही गई थी। इस कांड के उद्भवन के लिए उनके निर्देशनियारार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी छत्रपुर के नेतृत्व में एक टीम का

गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा सुजीत सिन्हा साह फिरोती संस्करण के लिए अपने गिरोह के कुछ सदस्यों को लगातार छापेमारी की गई तथा गुतवर को तैनात किया गया। छापेमारी के दौरान सूचना के आधार पर रांची के कांके चौक के रहने वाले जीशन शेख उर्फ रिक्की खान को पूछताह के लिए थाना लाया गया। पुष्टाल के दौरान जीशन ने बताया कि वह सुजीत सिन्हा के गिरोह के लिए काम करता है। उसके द्वारा ही शिवालय कुमार, इंसेक्टर वीर सिंह मुंदा, हरिहरांज के थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, छत्रपुर के थाना प्रभारी शेखर कुमार, पिपारा के थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह और अनुसंधानकर्ता अभय आनंद शामिल थे।

# बाबूलाल मरांडी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

आजाद सिपाही संचादाता



बिश्रामपुर (पलामू)। झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर जिला पार्षद विजय रविदास ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि श्री मरांडी में संगठन चलाने की कुशलता है। कायकतांओं से संघ संवाद स्थापित करते रहना उनकी विशेष क्षमता है। इसके अलावा मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है। बधाई देने वालों में वरीय भाजपा झारखण्ड मिश्रा, सतीश्वर प्रसाद सिंह, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेस तिवारी, संतोष राम, मनीष कुमार, संजय ठाकुर, शिव शंकर चंद्रवंशी सहित कई भाजपा नेताओं का नाम शामिल है।

# बाधक नहीं बनें, मिलकर करें विकास: प्रथम महापौर

आजाद सिपाही संचादाता



मेंदीनगर। प्रथम महापौर अरुण शंकर ने खुशी जारी करते हुए कहा कि रेडमा रांची रोड में लग रहे मल्टी प्लॉट स्टेशन का विरोध करने वाले लोगों के विरोध में पूरे मोहल्ला वासी एक होकर नगर आयुक्त से मिलते हुए 100 लोगों का हस्ताक्षरित पत्र सौंपा और कहा दावा दावी पार्क जहां बन रहा है वही बनें, विरोध करने वाले लोगों की चिंता ना करें हम पूरे रेडमा

## शीर्ष इनामी नक्सलियों के खिलाफ पीपरा पुलिस ने की नामजद प्राथमिकी



आजाद सिपाही संचादाता

हरिहरांज/पलामू। पिपारा थाना क्षेत्र के झारा पहाड़ के निकट पिपारा-छत्रपुर रोड में सोमवार को प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के द्वारा लगाए गए दो लैंडमाइंस बरागढ़ होने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की है। पिपारा थाना के एसआई पिनियस मुंदा द्वारा दर्ज कराई गयी। प्राथमिकी में शीर्ष नक्सली संजय यादव उर्फ गोदाराम, नीतीश यादव, रमन जी तथा राजेंद्र जी को नामजद अधियुक्त के अलावे 6 अंजात माओवादियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

सेवानिवृत कर्मचारी के निधन पर जन प्रतिनिधियों ने जाताया थोक संवेदना



हरिहरांज/पलामू। पिपारा थाना क्षेत्र के झारा पहाड़ के प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के द्वारा लगाए गए दो लैंडमाइंस बरागढ़ होने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की है। पिपारा थाना के एसआई पिनियस मुंदा द्वारा दर्ज कराई गयी। प्राथमिकी में शीर्ष नक्सली संजय यादव उर्फ गोदाराम, नीतीश यादव, रमन जी तथा राजेंद्र जी को नामजद अधियुक्त के अलावे 6 अंजात माओवादियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

## माता बैष्णो दरबार 51 वर्षों तक संजय प्रजापति जाते रहें, यही शुभकामना है: शशिभूषण मेहता



आजाद सिपाही संचादाता

नीलांबर-पीतांबरपुर (पलामू)। सावन के पावन माह में लैसीरोंज के संजय प्रजापति निधने 14 वर्षों से लगातार साइकिल से करीब हाजार किलोमीटर की दूरी तय कर अपरानाथ वैष्णो देवी की जाते हैं। संजय प्रजापति वैष्णो देवी की 14 वर्ष वार साइकिल यात्रा पर मंगलवार की शाम रवाना हुए। काली मंदिर परिसर से भाजपा विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने फूल माला पहनाकर वह डॉ दिखाकर उड़े रवाना किया। मौके पर विधायक ने कहा कि मैं वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु तो कहीं हैं। पर संजय का जज्जा कविले तारापति है।



आजाद सिपाही संचादाता

नीलांबर-पीतांबरपुर (पलामू)।

सावन के पावन माह में लैसीरोंज के

संजय प्रजापति निधने 14 वर्षों से

लगातार साइकिल से करीब हाजार

किलोमीटर की दूरी तय कर अपरानाथ

वैष्णो देवी की जाते हैं। संजय प्रजापति वैष्णो देवी की 14 वर्ष वार साइकिल

यात्रा पर मंगलवार की शाम रवाना

हुए। काली मंदिर परिसर से भाजपा

विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण

मेहता ने फूल माला पहनाकर वह

डॉ दिखाकर उड़े रवाना किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि मैं वैष्णो

देवी जाने वाले श्रद्धालु तो कहीं हैं। पर

संजय का जज्जा कविले तारापति है।

आजाद सिपाही संचादाता

नीलांबर-पीतांबरपुर (पलामू)।

सावन के पावन माह में लैसीरोंज के

संजय प्रजापति निधने 14 वर्षों से

लगातार साइकिल से करीब हाजार

किलोमीटर की दूरी तय कर अपरानाथ

वैष्णो देवी की जाते हैं। संजय प्रजापति वैष्णो देवी की 14 वर्ष वार साइकिल

यात्रा पर मंगलवार की शाम रवाना

हुए। काली मंदिर परिसर से भाजपा

विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण

मेहता ने फूल माला पहनाकर वह

डॉ दिखाकर उड़े रवाना किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि मैं वैष्णो

देवी जाने वाले श्रद्धालु तो कहीं हैं। पर

संजय का जज्जा कविले तारापति है।

आजाद सिपाही संचादाता

नीलांबर-पीतांबरपुर (पलामू)।

सावन के पावन माह में लैसीरोंज के

संजय प्रजापति निधने 14 वर्षों से

लगातार साइकिल से करीब हाजार

किलोमीटर की दूरी तय कर अपरानाथ

वैष्णो देवी की जाते हैं। संजय प्रजापति वैष्णो देवी की 14 वर्ष वार साइकिल

यात्रा पर मंगलवार की शाम रवाना

हुए। काली मंदिर परिसर से भाजपा



